दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शनिवार 29 जनवरी 2022 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 122

महत्वपूर्ण एवं खास

ब्रह्मोस ने तट आधारित एंटी-शिप (जहाज रोधी) मिसाइल प्रणाली के निर्यात को लेकर फिलीपींस के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

नईदिल्ली (आरएनएस)। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) ने फिलीपींस को तट आधारित एंटी-शिप मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति को लेकर शुक्रवार को फिलीपींस गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। बीएपीएल रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की संयुक्त उद्यम कंपनी है। भारत सरकार की जिम्मेदारी पूर्ण रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने की नीति को लेकर यह अनुबंध एक महत्वपूर्ण कदम है।

परीक्षा पे चर्चा के 5वें संस्करण में भाग लेने की अंतिम तिथि 3 फरवरी तक बढ़ी

नईदिल्ली (आरएनएस)। परीक्षा पे चर्चा के 5वें संस्करण में भाग लेने की अंतिम तिथि 3 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपसी बातचीत पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम - परीक्षा पे चर्चा की अवधारणा को प्रस्तुत किया है, जिसमें देश भर के और विदेश के छात्र, माता-पिता, शिक्षक उनके साथ बातचीत करते हैं। यह कार्यक्रम जीवन को उत्सव के रूप में मनाने के लिए परीक्षाओं से होने वाले तनाव पर चर्चा करने और उसे दूर करने से सम्बंधित है। इस कार्यक्रम का प्रारूप 2021 की तरह ऑनलाइन होना प्रस्तावित है। कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली छात्रों, शिक्षकों और माता-पिता का चयन एक ऑनलाइन प्रतियोगिता के माध्यम से किया जाएगा।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में चेक पोस्ट पर आतंकवादी हमला, 10 पाक सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों की जांच चौकी पर आतंकी हमले में 10 सैनिकों की मौत हो गई। पाकिस्तान की सेना ने गुरुवार को बताया कि यह चौकी केच जिले में स्थित है। सेना के मीडिया विभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि आतंकवादियों ने यह हमला 25-26 जनवरी की रात को किया था। सेना के मुताबिक, इस हमले में 10 सैनिकों की मौत हो गई जबकि सेना की जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी मारा गया और कई अन्य घायल हो गए। सेना ने तीन आतंकवादियों को पकड़ लिया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगा बलूचिस्तान प्रांत लंबे समय से चल रहे हिंसक विद्रोह का गढ़ बना हुआ है। बलूच उग्रवादी समूहों ने पहले भी इस क्षेत्र में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजनाओं को निशाना बनाकर कई हमले किए हैं। कुछ दिनों पहले बलूचिस्तान के बोलन जिले के मशकाफ इलाके में रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट में कम से कम पांच लोग घायल हो गए थे। रेलवे अधिकारी मुहम्मद काशिफ ने बताया कि धमाका तब हुआ जब रावलपिंडी जाने वाली जाफर एक्सप्रेस इलाके से गुजर रही थी। यह ट्रेन क्वेटा से आ रही थी। विस्फोट के कारण ट्रेन भी पटरी से उतर गई।

उत्तर कोरिया ने मिसाइल परीक्षणों की पुष्टि की

सियोल। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को कहा कि इस सप्ताह हथियार परीक्षण के उसके दो दौर सफल रहे। उसने अपनी सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करते रहने तथा अधिक शक्तिशाली आयुधों के विकास को गति देने का संकल्प लिया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बृहस्पतिवार को तटीय क्षेत्र से प्रक्षेपित की गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को पारंपरिक हथियारों से लैस सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल बताया और कहा कि उनका परीक्षण सफल रहा। सरकारी मीडिया द्वारा जारी की गई तस्वीरों से पता चलता है कि परीक्षण किए गए हथियार कम दूरी की ठोस-ईंधन मिसाइल थे, जिसे स्पष्ट रूप से रूस की इस्कंदर बैलिस्टिक प्रणाली की तर्ज पर तैयार किया गया है। उत्तर कोरिया ने इस महीने छठी बार अपने हथियारों का परीक्षण करते हुए बृहस्पतिवार को दो संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल समुद्र में दागीं थीं।

बीटिंग द रिट्रीट समारोह 2022 : पहली बार 1,000 मेक इन इंडिया ड्रोन दर्शकों को करेंगे आकर्षित

नईदिल्ली (आरएनएस)। नई दिल्ली के केंद्र स्थित ऐतिहासिक विजय चौक पर आयोजित होने वाले इस साल के बीटिंग द रिट्रीट समारोह में एक नया ड्रोन प्रदर्शन इसके प्रमुख आकर्षणों में से एक होगा, जिसमें राष्ट्रपति और सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर रामनाथ कोविन्द की गरिमामयी उपस्थिति होगी। पहली बार इस प्रदर्शन को आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में समारोह का हिस्सा बनाया गया है, जिसे आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस प्रदर्शन को देखने वाले गणमान्य व्यक्तियों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हैं। मेक इन इंडिया पहल के तहत इसकी अवधारणा बनाई गई है और इसे डिजाइन, निर्माण व कोरियोग्राफ किया गया है।

भारतीय जोश के साथ मार्शल संगीत की धुन इस साल समारोह की विशिष्टता होगी। भारतीय सेना, नौसेना,

वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के बैंड द्वारा बजाए जाने वाले कदमताल संगीत के साथ कुल 26 प्रदर्शन दर्शकों के मन को मोहने का काम करेंगे। वहीं, शुरुआती बैंड वीर सैनिक की धुन बजाता हुआ मास बैंड होगा। इसके बाद पाइप्स एंड ड्रम बैंड, सीएपीएफ बैंड, एयर फोर्स बैंड, नेवल बैंड, आर्मी मिलिट्री बैंड और मास बैंड होंगे। इस समारोह के मुख्य संचालक कमांडर विजय चार्ल्स डिक्रूज होंगे।

आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए इस समारोह में कई नई धुनें जोड़ी गई हैं। इनमें केरल, हिंद की सेना और ऐ मेरे वतन के लोगों शामिल हैं। वहीं, इस कार्यक्रम का समापन सारे जहां से अच्छा की सर्वकालिक- लोकप्रिय धुन के साथ होगा।

वहीं, ड्रोन प्रदर्शन का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली व विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की सहायता से स्टार्टअप बोटलैब डायनेमिक्स कर रही है। इस प्रदर्शन की अवधि 10 मिनट की होगी। इसमें स्वदेशी तकनीक के जरिए निर्मित लगभग 1,000 ड्रोन शामिल होंगे। इस ड्रोन प्रदर्शन के दौरान क्रमबद्ध बैकग्राउंड संगीत भी बजाया जाएगा।

इस समारोह के एक अन्य आकर्षण में आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रोजेक्शन मैपिंग (प्रक्षेपण मानचित्रण) प्रदर्शन भी होगा। लगभग 3-4 मिनट की अवधि के प्रदर्शन को समारोह के समापन से पहले नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की दीवारों पर प्रदर्शित किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस परेड की तरह ही बीटिंग द रिट्रीट समारोह के लिए पर्यावरण के अनुकूल आमंत्रण पत्र तैयार किए गए हैं, जो कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए प्रासंगिक है। इस पत्र को अश्वगंधा, एलोवेरा और आंवला जैसे औषधीय पौधों के बीजों से तैयार किया गया है। इसके जरिए लोगों को इसे अपने बगीचे/फूलों के गमलों में इसे लगाने व सदियों पुराने औषधीय लाभों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बीटिंग द रिट्रीट एक सदियों पुरानी सैन्य परंपरा है। यह उन दिनों से चली आ रही है, जब सैनिक सूर्यास्त के समय युद्ध समाप्त कर अपनी-अपनी छावनी में चले जाते थे। जैसे ही बिगुल बजाने वाले पीछे हटने की धुन बजाते थे, इसे सुनते ही सैनिक लड़ाई बंद कर देते थे और अपने अस्त्र-शस्त्र को वापस रखकर युद्ध भूमि से पीछे हट जाते थे।

निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को पेपरलेस रूप में केंद्रीय बजट 2022-23 करेंगी पेश

» संसद में पेश होने के बाद केंद्रीय बजट 2022-23 मोबाइल ऐप पर उपलब्ध होगा

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को पेपरलेस रूप में केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करेंगी। महामारी की स्थिति जारी रहने और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, इस बार केंद्रीय बजट बनाने की प्रक्रिया के अंतिम चरण को चिन्हित करने के लिए आयोजित किया जाने वाला हलवा समारोह नहीं होगा। इसकी जगह कोर स्टाफ को उनके कार्यस्थलों पर लॉक-इन से गुजरने के कारण मिठाई प्रदान की गई।

बजट की गोपनीयता बनाए रखने के लिए बजट तैयार करने में शामिल अधिकारियों को लॉक-इन कर दिया जाता है। ये अधिकारी नॉर्थ ब्लॉक के अंदर स्थित बजट प्रेस में केंद्रीय बजट पेश होने तक रहते हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा संसद में बजट पेश करने के बाद ही ये अधिकारी और कर्मचारी अपने लोगों के संपर्क में आते हैं।

एक ऐतिहासिक कदम के तहत, केंद्रीय बजट 2021-22 पहली बार पेपरलेस रूप में पेश किया गया था। सांसदों और आम जनता द्वारा बिना किसी परेशानी के बजट दस्तावेज देखने और पढ़ने के लिए एक यूनियन बजट मोबाइल एप भी लॉन्च किया गया था। 1 फरवरी 2022 को संसद में बजट पेश किए जाने के बाद केंद्रीय बजट 2022-23 भी मोबाइल एप पर उपलब्ध होगा।

मोबाइल ऐप के जरिए बजट भाषण, वार्षिक वित्तीय विवरण (जिसे आमतौर पर बजट के रूप में जाना जाता है), अनुदान की मांग (डीजी), वित्त विधेयक आदि सहित संविधान के तहत निर्धारित 14 केंद्रीय बजट दस्तावेज देखे जा सकेंगे। मोबाइल ऐप दो भाषाओं- अंग्रेजी और हिंदी में है और एंड्रॉयड व आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

मालगाड़ी के पटरी से उतरने के बाद केरल के अलुवा में ट्रेन सेवाएं प्रभावित

कोच्चि (केरल) (आरएनएस)। केरल के अलुवा रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी के पटरी से उतरने के बाद शुक्रवार को अलुवा रेल मार्ग पर आंशिक रूप से ट्रेन सेवाएं बाधित हुई

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी अलुवा में सेवा बहाल करने के प्रयासों की निगरानी के लिए मौके पर पहुंचे।

रेलवे के सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश के येरागुंतला स्टेशन से चलने वाली 42 डिब्बों की मालगाड़ी गुरुवार देर रात अलुवा रेलवे स्टेशन यार्ड पर पटरी से उतर गई।

रेलवे की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, सेवा बहाल करने के प्रयासों की निगरानी करने तिरुवनंतपुरम के मंडलीय रेलवे प्रबंधक

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। देर रात दो बजकर 20 मिनट पर सिंगल लाइन के जरिये सेवाएं आंशिक रूप से बहाल हुई। मरम्मत कार्य तेजी से हो रहा है और जल्दी ही यातायात पूर्ण रूप से बहाल होने की उम्मीद है। रेलवे ने कहा की कुल 11 ट्रेनें रद्द की गई हैं।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर तस्करों के साथ गोलीबारी में बीएसएफ जवान घायल

» 47 किलोग्राम हेरोइन, दो पिस्तौल और कुछ विस्फोटक बरामद

गुरदासपुर (आरएनएस)। भारतीय सेना द्वारा मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान फिर अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा। इसी के चलते पाकिस्तानी तस्करों ने फिर भारत में घुसने की कोशिश की जिसे बीएसएफ ने नाकाम कर दिया। अंतरराष्ट्रीय भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित डेरा बाबा नानक सेक्टर में चंदू वडाला पोस्ट के पास शुक्रवार को

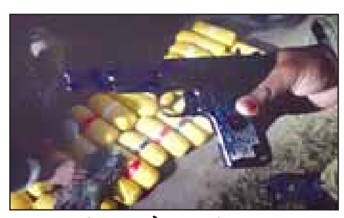

पाकिस्तानी तस्करों व बीएसएफ के जवानों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें बीएसएफ का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। जवान को उपचार के लिए अमृतसर शिफ्ट कर दिया गया है। बीएसएफ को सर्च के दौरान 47 किलो से ज्यादा हेरोइन, पिस्तौल और कारतूस बरामद हुए हैं।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब सवा पांच बजे बीएसएफ के हेड कांस्टेबल ज्ञान सिंह यादव की ओर से चंदू वडाला पोस्ट पर पाकिस्तानी तस्करों की ओर से संदिग्ध हरकत दर्ज की गई। जिसके चलते जवान की ओर से तत्काल उस तरफ फायरिंग की गई। पाकिस्तानी तस्करों की ओर से भी फायरिंग की गई। इस दौरान एक गोली ज्ञान सिंह यादव के सिर व हाथ पर लगी और वह घायल हो गया। कांस्टेबल राजू विश्वास ने तत्काल मोर्चा संभाला और तस्करों पर जवाबी हमला किया। इसके बाद तस्कर मौके से भाग खड़े हुए। तस्करों के भागने के बाद बीएसएफ की ओर से मौके पर सर्च की गई।

बीएसएफ के डीआईजी प्रभाकर जोशी ने बताया कि मौके पर सर्च के दौरान बीएसएफ को 47 पैकेट हेरोइन बरामद हुई जिनका वजह करीब 47 किलो से ज्यादा होगा। इसी के साथ 7 पैकेट अफीम, 2 पिस्तौल (एक इटालियन मेड तथा एक चाइनीज मेड), एके 47 की 4 मैग्जीन तथा 74 राउंड, 44 राउंड .3 एमएम पिस्तौल तथा इटली मेड बरेटा पिस्तौल के 12 कारतूस बरामद हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट का एससी/एसटी को प्रोन्नति में आरक्षण देने के लिए मानदंड तय करने से इनकार

नईदिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को पदोन्नति में आरक्षण देने के मुद्दे पर अहम फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने एससी/एसटी के लिए आरक्षण की शर्तों को कम करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि बिना आंकड़े के नौकरियों में प्रमोशन में रिजर्वेशन नहीं दिया जा सकता है। प्रमोशन में रिजर्वेशन देने से पहले राज्य सरकारों को आंकड़ों के जरिए ये साबित करना होगा कि एससी/एसटी का प्रतिनिधित्व कम है। समीक्षा अवधि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित की जानी चाहिए। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह एससी और एसटी को पदोन्नति में आरक्षण देने के अपने फैसले को फिर से

नहीं खोलेगा क्योंकि यह राज्यों को तय करना है कि वे इसे कैसे लागू करते हैं।

जस्टिस एल. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने विषय में अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल, अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल बलबीर सिंह और विभिन्न राज्यों की ओर से पेश हुए अन्य वरिष्ठ वकीलों सहित सभी पक्षों को सुना है। पीठ में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई भी शामिल हैं। पीठ ने 26 अक्टूबर 2021 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

फैसला सुरक्षित रखते हुए कोर्ट ने कहा था कि अदालत सिर्फ इस मुद्दे पर फैसला करेगा कि आरक्षण अनुपात पर्याप्त प्रतिनिधित्व के आधार पर होना चाहिए या नहीं। केंद्र ने पीठ को बताया था कि यह सत्य है कि देश की आजादी के 75 साल बाद भी एससी/एसटी समुदाय के लोगों को अगड़े वर्गो के समान मेधा के स्तर पर नहीं लाया गया है। वेणुगोपाल ने दलील देते हुए कहा था कि एससी और एसटी समुदाय के लोगों के लिए ग्रुप 'ए' श्रेणी की नौकरियों में उच्चतर पद हासिल करना कहीं अधिक मुश्किल है और वक्त आ गया है कि रिक्तियों को भरने के लिए शीर्ष न्यायालय को एससी, एसटी तथा ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के वास्ते कुछ ठोस आधार देना चाहिए।

अटॉर्नी जनरल ने कहा था कि एससी/एसटी को अछूत माना जाता था और वे बाकी आबादी के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते थे. इसलिए आरक्षण होना चाहिए। वेणुगोपाल ने सुप्रीम कोर्ट में नौ राज्यों के आंकड़ों का हवाला दिया था और उन्होंने बताया था कि उन सभी ने बराबरी करने के लिए एक सिद्धांत का पालन किया है ताकि योग्यता का अभाव उन्हें मुख्यधारा में आने से वंचित न करे। देश में पिछड़े वर्गों का कुल प्रतिशत 52 प्रतिशत है। यदि आप अनुपात लेते हैं, तो 74.5 प्रतिशत आरक्षण देना होगा, लेकिन हमने कट ऑफ 50 प्रतिशत निर्धारित किया है। यदि शीर्ष अदालत आरक्षण पर फैसला मात्रात्मक आंकड़े और प्रतिनिधित्व की पर्याप्तता के आधार पर राज्यों पर छोड़ देगी तो हमनें चीजें जहां से शुरू की थी वहीं पहुंच जाएंगे।

सरकार ने भारतीय पूंजीगत वस्तु सेक्टर-चरण-2 में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की योजना को अधिसूचित किया

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारी उद्योग मंत्रालय ने भारतीय पूंजीगत वस्तु सेक्टर-चरण-2 में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने की योजना की अधिसूचना जारी कर दी है, ताकि सामान्य प्रौद्योगिकी विकास और सेवा अवसंरचना को सहायता दी जा सके। योजना का वित्तीय प्रावधान 1207 करोड़ रुपये है तथा 975 करोड़ रुपये का बजटीय समर्थन और 232 करोड़ रुपये का उद्योगों का योगदान है। योजना को 25 जनवरी, 2022 को अधिसूचित किया गया था।

पूंजीगत वस्तु सेक्टर की प्रतिस्पर्धा बढ़ाने वाली योजना के

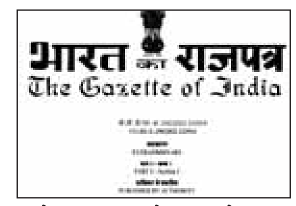

दूसरे चरण का उद्देश्य पहले चरण की प्रायोगिक योजना के प्रभाव को विस्तार देना और उसे आगे बढ़ाना है। इस तरह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा योग्य पूंजीगत वस्तु सेक्टर की मजबूत रचना करके उसमें तेजी लाई जायेगी। उल्लेखनीय है कि यह सेक्टर निर्माण सेक्टर में कम से कम 25 प्रतिशत योगदान करता है।

जिस देश का युवा, राष्ट्र प्रथम की सोच के साथ आगे बढ़ने लगता है, उसे दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती : पीएम मोदी

» कहा-मुझे गर्व है कि मैं भी कभी आपकी तरह ही एनसीसी का सक्रिय कैडेट रहा हूं

नईदिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करियप्पा ग्राउंड में राष्ट्रीय कैडेट कोर रैली को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया, एनसीसी टुकड़ियों द्वारा मार्च पास्ट की सलामी ली और एनसीसी कैडेटों को सेना की कार्रवाई, स्लेदरिंग, माइक्रोलाइट फ्लाइंग, पैरासेलिंग के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए देखा। सर्वश्रेष्ठ कैडेटों को प्रधानमंत्री की ओर से मेडल और बैटन भी प्रदान किए गए।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय देश अपनी आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और जब एक युवा देश, इस तरह के किसी ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनता है, तो उसके उत्सव में एक अलग ही उत्साह दिखता है। यही उत्साह मैं अभी इस कार्यक्रम में देख रहा हूं। प्रधानमंत्री ने खुद एनसीसी से जुड़े होने पर गर्व महसूस करते हुए कहा, मुझे गर्व है कि मैं भी कभी आपकी तरह ही एनसीसी का सक्रिय कैडेट रहा हूं। मुझे एनसीसी में जो ट्रेनिंग मिली, जो जानने सीखने को मिला, आज देश के प्रति अपनी

जिम्मेदारियों के निर्वहन में मुझे उससे असीम ताकत मिलती है।

प्रधानमंत्री ने लाला लाजपत राय और फील्ड मार्शल करियप्पा को राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए श्रद्धांजलि दी। भारत के दोनों वीर सपूतों की आज जयंती है।

प्रधानमंत्री ने ऐसे दौर में देश में एनसीसी को मजबूत करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में चर्चा की, जब देश नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ रहा है। इसके लिए देश में एक उच्च स्तरीय समीक्षा समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल में देश के सीमावर्ती इलाकों में एक लाख नए कैडेट बनाए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने बालिकाओं और महिलाओं के लिए रक्षा प्रतिष्ठानों के दरवाजे खोलने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बड़ी संख्या में बालिका कैडेटों की उपस्थिति की चर्चा करते हुए इसे राष्ट्र के बदलते रवैये का प्रतीक बताया। उन्होंने बालिका कैडेटों से कहा, देश को आपके योगदान की जरूरत है और उसके लिए पर्याप्त अवसर हैं। उन्होंने कहा कि अब देश की बेटियां सैनिक स्कूलों में एड्मिशन ले रही हैं। सेना में महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारियां मिल रही हैं। एयरफोर्स में देश की बेटियां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं। ऐसे में हमारा प्रयास होना चाहिए कि एनसीसी में भी ज्यादा से ज्यादा बेटियां शामिल हों।

कैडेटों के युवा प्रोफाइल के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज इस समय जितने भी युवक-युवतियां एनसीसी में हैं, एनएसएस में हैं, उसमें से ज्यादातर इस शताब्दी में ही पैदा हुए हैं। आपको ही भारत को 2047 तक लेकर जाना है। उन्होंने कहा, इसलिए आपकी कोशिशें, आपके संकल्प, उन संकल्पों की सिद्धि, भारत की सिद्धि होगी, भारत की सफलता होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस देश का युवा, राष्ट्र प्रथम की सोच के साथ आगे बढ़ने लगता है, उसे कोई दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती। आज खेल के मैदान में, स्टार्टअप का वातावरण तैयार करने में, भारत की सफलता भी इसका एक बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कैडेटों का आह्वान करते हुए कहा कि आजादी के अमृतकाल में, आज से लेकर अगले 25 वर्ष, आपको अपनी प्रवृतियों को, अपने कार्यों को देश के विकास के साथ, देश की अपेक्षाओं के साथ जोड़ना है।